संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार | CCRT Newsletter

खण्ड 2 • अंक 9 • सितम्बर 2024 | Volume 2 • Issue 9 • September, 2024

कला मंथन

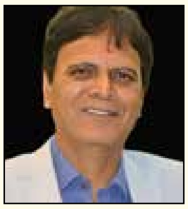

उदात्तता का प्रतिपादन करते समय लांजिनस ने कला के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। उनके अनुसार यह 'गुण' है और यह शिक्षा तथा अध्ययन से प्राप्त होता है। प्रकृति जन्मजात शक्ति अथवा प्रतिभा है। इसीलिए कला के कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक बन जाता है। प्रकृति में उन्मुक्त एवं स्वतंत्र शक्ति की परिकल्पना होती है। इसका यह मतलब नहीं है कि कला तथा प्रकृति एक-दूसरे के विरूद्ध हैं। इसके विपरीत इनमें जो संबंध प्रस्थापित होता है, उसका स्वरूप सहज होता है। दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। दोनों के योग से परिपूर्णता आती है। कला की शिक्षा से प्रकृति का हमें ज्ञान होता है। इसका हमें महत्व समझ आता है। प्रकृति का महत्व कला-निरपेक्ष नहीं है। किन्तु कला से भी प्रकृति का महत्व अधिक है, यह लांजिनस की मान्यता है।

लांजिनस के अनुसार कला का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं बल्कि आत्मा का उत्कर्ष करना है। कला की प्रेरणा अधिक उदात्त होती है। कला का उद्देश्य केवल सत्य से अवगत कराना, कुतूहल उत्पन्न करना या इंद्रियों की आनंद सृष्टि करना नहीं है। कला का उद्गम कवि के अंतर्मन से होता है। इसीलिए रसिक की आत्मा को उदात्त की अनुभूति होने से ही कला की सिद्धि होती है। समन्वित शब्द-योजना के कारण 'प्रत्यय' तथा 'आनंद' का निर्माण होता है। समन्वित शब्द उदात्त की उक्ति एवं भावनाओं के आवेग का साधन होते हैं। उदाहरणार्थ, बांसुरी से निकला मधुर स्वर श्रोतागण को आनंद-विभोर करता है। श्रोता को संगीत का ज्ञान हो अथवा न भी हो, कर्णमधुर स्वर से वह डोलना शुरू करता है। किन्तु यह कृत्रिम विधा है, ऐसा लांजिनस कहते हैं। यह मनुष्य की सहज क्रिया नहीं है, किन्तु रचित भाषा मनुष्य की आत्मा को प्रभावित करती है। यह भाषा शब्द, कार्य, सुंदर राग इत्यादि अनेक रूपों में अभिव्यक्त होती है। सामंजस्यता के कारण श्रोता के भाव उद्दीपित होते हैं।

डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

सितम्बर 2024 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग–I / TRAINING SECTION-I

● एनईपी–2020 के अनुरूप 491वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(17 सितम्बर से 08 अक्तूबर, 2024, सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सितंबर 2024 में सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा 491वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 8 राज्यों के कुल 37 सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया, जिनमें से 9 महिला प्रतिभागी थीं। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर एवं कला के प्रति जागरूक करना था ताकि वे अपनी शिक्षण पद्धतियों में सांस्कृतिक तत्वों का समावेश कर सकें। प्रतिभागियों को भारतीय सांस्कृतिक विविधता और उसके शिक्षण में उपयोग के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

इस पाठ्यक्रम के तहत विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें सांस्कृतिक धरोहर, भारतीय कला एवं शिल्प पर विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा की गई। डॉ. भरत गुप्त, डॉ. चारू स्मिता गुप्ता, डॉ. प्रतापनंद झा और डॉ. विजय कुमार माथुर जैसे विद्वानों ने भारतीय सांस्कृतिक इतिहास, चित्रकला, पांडुलिपियों और मूर्त धरोहर पर व्याख्यान दिए। इसके अलावा प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय संग्रहालय, कुतुब मीनार और हुमायूँ के मकबरे जैसे धरोहर स्थलों के संरक्षण और उनके महत्व को समझा। साथ ही विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्रीय योगदान पर भी प्रकाश डाला गया।

इस अनुस्थापन पाठ्यक्रम में शिक्षण विधियों में सांस्कृतिक तत्वों को कैसे शामिल किया जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान दिया गया। शिक्षकों ने सांस्कृतिक दृष्टिकोण से पाठ योजनाएँ तैयार कीं और प्रदर्शन कला, जैसे कि कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत, रंगमंच और नृत्य के माध्यम से शिक्षा को रोचक बनाने के तरीके सीखे। साथ ही योग, हस्तशिल्प और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के महत्व पर भी चर्चा की गई तथा शिल्पकारों से मिट्टी के बर्तन, मधुबनी पेंटिंग, मैक्रेम एवं बुक बाइंडिंग पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस पाठ्यक्रम ने प्रतिभागियों को समग्र शिक्षण विधियों में निपुण बनाया और उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया।

सीसीआरटी निदेशक श्री राजीव कुमार का प्रतिभागियों के लिए उत्साहवर्धक संबोधन

भारतीय पांडुलिपियों की अनमोल विरासत पर डॉ. प्रतापनंद झा का सत्र

मिट्टी से सृजन की अद्भुत कला में भाग लेते शिक्षक

मैक्रेम की बुनाई तकनीक में दक्ष होते प्रतिभागी

पाठ्यक्रम में तैयार शिक्षण सामग्री का अनूठा प्रदर्शन

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति (सीटीएसएस) योजना के अंतर्गत केंद्रीय चयन समिति की बैठक:

छात्रवृत्ति अनुभाग ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति (सीटीएसएस) योजना के अंतर्गत प्राप्त कुल 5181 आवेदनों की जांच करने के लिए 25 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक केंद्रीय चयन समिति की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण के लिए आवेदकों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए कुल 33 विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और वर्ष 2024-25 के लिए सीटीएसएस योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय चयन समिति की बैठक के लिए कुल 4010 आवेदनों की सिफारिश की गई।

"कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती" नाट्य प्रस्तुति

सीसीआरटी ने सितंबर 2024 महीने में 03 अलग-अलग स्थानों पर "कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती" का नाट्य प्रस्तुतिकरण किया जिसका विवरण इस प्रकार है:

क्रमांक	प्रतिभागियों की संख्या	स्थल	नाट्य प्रस्तुति दिनांक
1.	17 युवा विद्वान कलाकार और फेलो	उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश	15 सितंबर 2024
2.	18 युवा विद्वान कलाकार और फेलो	संगीत नाटक अकादमी, चंडीगढ़	19 सितंबर 2024
3.	18 युवा विद्वान कलाकार और फेलो	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला, पंजाब	21 सितंबर 2024

रानी दुर्गावती के संघर्ष का किया मंचन

एनसीजेडसीसी में रविवार को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत नाटक कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती का मंचन किया गया। कलाकारों ने रानी दुर्गावती के संघर्ष की गाथा का मंचन किया। सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया।

मंच पर जीवंत हुई दुर्गावती की शौर्य गाथा, भावविभोर हुए दर्शक

संस्कृतिक केंद्र में नाटक 'कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती' का मंचन किया गया। अमर उजाला

प्रयागराज। सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर प्रदेश लोक व जनजाति संस्कृति संस्थान की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती नाटक का मंचन किया गया। इसमें रानी दुर्गावती के संघर्ष की गाथा को देखकर दर्शक भाव विभोर हो उठे। एनसीजेडसीसी के प्रेक्षागृह में रविवार को प्रस्तुत नाटक में कलाकारों ने दिखाया कि पति की मृत्यु के बाद रानी दुर्गावती सती होने के बजाय देश की सेवा के लिए स्वयं राजगद्दी संभालती है। राजा अकबर से युद्ध छिड़ जाने पर बहादुरी से उनका सामना करते हुए वीरगति को प्राप्त होती है। इससे पूर्व सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ.विनोद नारायण इंदुरकर,निदेशक अतुल द्विवेदी, आशुतोष शर्मा, सुरेंद्र कश्यप, अंकुश रस्तोगी, सुनील ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। संवाद

संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को फेलोशिप प्रदान करने की योजना के तहत बैच वर्ष 2022-23 के लिए जूनियर फेलोशिप प्रदान करने के लिए वर्चुअल/ऑनलाइन विशेषज्ञ समिति की बैठक

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) ने 20 अगस्त से 20 सितंबर, 2024 तक 2022-23 बैच वर्ष से संबंधित संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को फेलोशिप प्रदान करने की योजना के तहत जूनियर फेलोशिप आवेदनों का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्चुअल विशेषज्ञ समिति की बैठक बुलाई है। इस प्रतिष्ठित जूनियर फेलोशिप के लिए 1,690 उम्मीदवारों ने आवेदन किया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सर्वोदय विद्यालय, जाफरपुर, नई दिल्ली	23-25 सितंबर 2024
2.	केंद्रीय विद्यालय, सेक्टर-4, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	28, 30 सितंबर एवं 01 अक्तूबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जेड.पी.पी. हाई स्कूल, मंडल कुशाईगुडा, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	11-13 सितंबर, 2024
2.	राजकीय हाई स्कूल, मंडल कुलसुमपुरा, तेलंगाना राज्य	19-21 सितंबर, 2024
3.	जेड.पी. हाई स्कूल (बाल), कुकटपल्ली, मंडल मेडचल, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	23-25 सितंबर, 2024
4.	जेड.पी. हाई स्कूल, कपरा, मंडल मेडचल, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	23-25 सितंबर, 2024
5.	जेड.पी. हाई स्कूल, रामपल्ली, मंडल मेडचल, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	26-28 सितंबर, 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, झाड़ोला, उदयपुर	02-04 सितम्बर 2024
2.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, इसवाल, उदयपुर	03-05 सितम्बर 2024
3.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, वल्लभनगर, उदयपुर	05-07 सितम्बर 2024
4.	कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मावली, उदयपुर	09 सितम्बर 2024
5.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, झाड़ोला, उदयपुर	09-11 सितम्बर, 2024

6.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मावली, उदयपुर	10 सितंबर 2024
7.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गिर्वा, उदयपुर	10–12 सितंबर, 2024
8.	विद्यानिकेतन विद्यालय, मावली, उदयपुर	12 सितंबर 2024
9.	पी.एम. श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, गोगुन्दा, उदयपुर	18–20 सितंबर, 2024
10.	राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, वल्लभनगर, उदयपुर	19–21 सितंबर, 2024
11.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, मावली, उदयपुर	20 सितंबर 2024
12.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बड़गांव, मावली, उदयपुर	21 सितंबर 2024
13.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, इसवाल, उदयपुर	21 सितंबर 2024
14.	राजकीय आदर्श माध्यमिक विद्यालय, बड़गांव, उदयपुर	21–24 सितंबर 2024
15.	शहीद रतन लाल मीणा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गिर्वा, उदयपुर	23–25 सितंबर 2024
16.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गिर्वा, उदयपुर	23–25 सितंबर 2024
17.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, थूर, उदयपुर	23–25 सितंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	साबित्री भराली हाई स्कूल, ओडालबकरा, गुवाहाटी	06, 07 एवं 09 सितम्बर 2024
2.	सतगांव हाई स्कूल, कामरूप जिला, गुवाहाटी	06, 07 एवं 09 सितम्बर 2024
3.	उदयाचल हाई स्कूल, क्रिस्टन बस्ती, गुवाहाटी	09–11 सितम्बर 2024
4.	अंबारी हाई स्कूल, गुवाहाटी	07–09 नवंबर 2024

सितम्बर 2024 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 6718 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान

सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली तथा इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद, उदयपुर, गुवाहाटी तथा दमोह में "स्वच्छता ही सेवा अभियान" के अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया। दिनांक 17 सितंबर 2024 को "स्वच्छता ही सेवा अभियान" का उद्घाटन किया गया जिसमें सीसीआरटी के सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों तथा अनुस्थापन पाठ्यक्रम कार्यक्रम के लिए 08 राज्यों बिहार, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश तथा पश्चिम बंगाल से आए कुल 37 शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 110 अधिकारियों/ कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलायी गई।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी में कुल 13 राज्यों से 72 शिक्षक/शिक्षिकाओं तथा 06 सीसीआरटी कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ली। सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद और उदयपुर में "स्वच्छता ही सेवा अभियान -2024" के तहत 18/09/2024 को देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों के रूप में आए 72 शिक्षकों/शिक्षिकाओं को स्वच्छता शपथ दिलायी गई और सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद और उदयपुर के 20 अधिकारियों के साथ कार्यशालाओं में भाग ले रहे प्रतिभागियों द्वारा श्रमदान गतिविधियाँ की गईं।

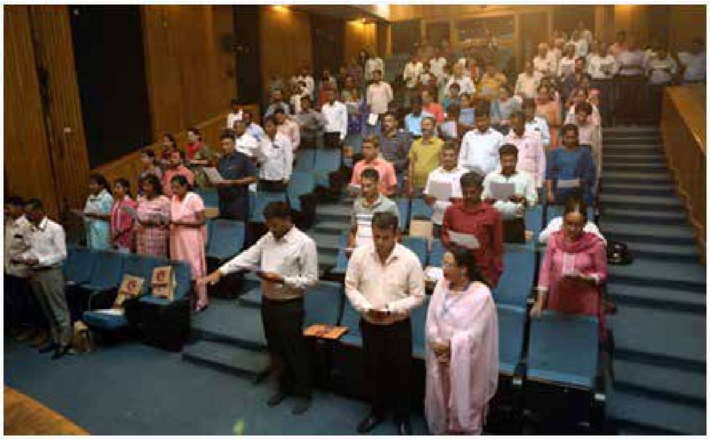

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद, उदयपुर तथा दमोह द्वारा क्रमशः "स्वच्छता ही सेवा अभियान -2024" के अंतर्गत दिनांक 21/09/2024 को क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद में 15 अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा श्रमदान किया गया, क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बडगाँव, मावली, उदयपुर में 'पर्यावरण के प्रति जागरुकता जगाना' विषय पर व्याख्यान में 155 विद्यार्थियो ने भाग लिया तथा क्षेत्रीय केंद्र दमोह द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय भाट खमरिया में कुल 50 विद्यार्थियों एवं सीसीआरटी कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई।

हिन्दी अनुभाग/ HINDI SECTION

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 13 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस समारोह और हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यालय के कार्मिकों के साथ इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के कार्मिक भी (ऑनलाइन माध्यम से) शामिल हुए। तत्पश्चात इसके अंतर्गत 17–24 सितंबर तक छह अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 30 सितंबर को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम के दौरान सीसीआरटी के चयनित 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को वार्षिक राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार 2023–24 से सम्मानित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 17 सितंबर 2024 को जुलाई-सितंबर तिमाही की हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मुख्यालय के कार्मिकों के साथ ऑनलाइन माध्यम से इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के कार्मिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में आमंत्रित विशेषज्ञ – प्रसिद्ध कवयित्री डॉ कीर्ति काले ने 'हिंदी का महत्व – कल, आज और कल' विषय पर रोचक व्याख्यान दिया। इसके बाद मुख्यालय के भवभूति सभागार में कविता पाठ का आयोजन किया गया जिसका मुख्यालय के कार्मिकों के साथ 491वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम में शामिल 8 राज्यों के 36 शिक्षकगण ने भरपूर आनंद लिया।

सीसीआरटी मुख्यालय में दिनांक 30.09.2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही (जुलाई-सितंबर 2024) बैठक निदेशक, सीसीआरटी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारीगण भी शामिल हुए।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली:	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र:
डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी **श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.)**, निदेशक, सीसीआरटी **डॉ. राहुल कुमार**, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I) **डॉ. संदीप शर्मा**, उप निदेशक (मूल्यांकन) **श्री दिबाकर दास**, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति) **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) **श्री श्रीभगवान वर्मा**, उप निदेशक (उत्पादन) **श्री आशुतोष**, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II) **श्री मनीष कुमार**, हिन्दी अधिकारी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना **श्री ओम प्रकाश शर्मा**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान **श्री निरंजन भुइयां**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर